Important News: World

1. स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स फॉरेस्ट 2022 रिपोर्ट: 30 वर्षों में पृथ्वी पर कुल वन क्षेत्र का 10% नष्ट हो गया

चर्चा में क्यों?

- **द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स फॉरेस्ट (SOFO) रिपोर्ट के 2022 संस्करण** के अनुसार, विश्व ने पिछले 30 वर्षों में अपने कुल वन क्षेत्र का लगभग 10.34 प्रतिशत, 420 मिलियन हेक्टेयर (mha) नष्ट कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- वनों की कटाई के कारण 1990 और 2020 के बीच 420 मिलियन हेक्टेयर वन नष्ट हो गए हैं, हालांकि वन पृथ्वी के भौगोलिक क्षेत्र के 4.06 बिलियन हेक्टेयर (31 प्रतिशत) को कवर करते हैं।
- इसमें कहा गया है कि हालांकि वनों की कटाई की दर में गिरावट आ रही थी, लेकिन 2015 और 2020 के बीच हर साल 10 मिलियन हेक्टेयर वन नष्ट हो गए।
- 2000 और 2020 के बीच लगभग 47 mha प्राथमिक वन नष्ट हो गए। 700 mha से अधिक वन (कुल वन क्षेत्र का 18 प्रतिशत) कानूनी रूप से स्थापित संरक्षित क्षेत्रों में है। फिर भी, वनों की कटाई और वन क्षरण से वन जैव विविधता खतरे में है।
- जनसंख्या के आकार और संपन्नता में वृद्धि के कारण संयुक्त रूप से सभी प्राकृतिक संसाधनों की वार्षिक वैश्विक खपत 2017 में 92 बिलियन टन से बढ़कर 2060 में 190 बिलियन टन होने की उम्मीद है।

नोट: 140 से अधिक देशों ने **ग्लासगो लीडर्स डिक्लेरेशन ऑन फॉरेस्ट एंड लैंड यूज** के माध्यम से 2030 तक वन हानि को समाप्त करने और बहाली और टिकाऊ वानिकी का समर्थन करने का संकल्प लिया है। इसके लिए, विकासशील देशों को इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए अतिरिक्त $19 बिलियन का आवंटन किया गया है।

स्रोत: DTE

Important News: India

2. धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा के विकास के लिए कार्यादेश दस्तावेज जारी किया

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 'कार्यादेश दस्तावेज: **राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCF)** के विकास के लिए दिशा-निर्देश' जारी किए।

प्रमुख बिंदु

- परिवर्तनकारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के कार्यान्वयन के केंद्र में नयी राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCF) है, जो स्कूलों और कक्षाओं में NEP 2020 के विज़न को वास्तविकता में बदलते हुए देश में उत्कृष्ट शिक्षण और ज्ञान-प्राप्ति को सशक्त और सक्षम बनायेगी।
- NCF के विकास को NSC (राष्ट्रीय संचालन समिति) द्वारा निर्देशित किया जा रहा है, जिसके अध्यक्ष डॉ के कस्तूरीरंगन हैं तथा जिसे कार्यादेश समूह एवं NCERT (राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) सहयोग दे रहे हैं।
- **NCF में शामिल हैं:**

  स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCFSE)

  प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCFECCE)

  शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCFTE)

  प्रौढ़ शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCFAE)

- 'जनादेश दस्तावेज' एनसीएफ के विकास का मार्गदर्शन करता है। जनादेश दस्तावेज़ एनईपी 2020 और एनसीएफ के बीच का सेतु है।
- **'कार्यादेश दस्तावेज'** के आधार पर ही NCF तैयार की गई है। 'कार्यादेश दस्तावेज' ही दरअसल NEP 2020 और NCF को एक-दूसरे से जोड़ता है।
- NCF शिक्षा मंत्रालय के निपुण भारत, बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के लिए राष्ट्रीय मिशन जैसी अन्य पहल के लिए भी पूरी तरह से जिम्मेदार होगा। इन पहलों को आवश्यक

तत्परता के साथ लागू किया जा रहा है, जबकि NCF को विकसित करने की प्रक्रिया चल रही है।

स्रोत: इंडिया टुडे

3. किसान ड्रोन

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सरकार किसानों की सुविधा, लागत कम करने और आय बढ़ाने के लिए **'किसान ड्रोन'** के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है।
- श्री तोमर ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित "किसान ड्रोन को बढ़ावा देना: मुद्दे, चुनौतियां और आगे का रास्ता" विषय पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रमुख बिंदु

- ड्रोन खरीदने के लिए सरकार 50% या अधिकतम 5 लाख रुपये की सब्सिडी SC-ST, लघु और सीमांत, पूर्वोत्तर राज्यों की महिलाओं और किसानों को प्रदान कर रही है। अन्य किसानों के लिए 40 प्रतिशत या अधिकतम 4 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी।
- फसल मूल्यांकन, भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण, कीटनाशकों व पोषक तत्वों के छिड़काव के लिए 'किसान ड्रोन' के उपयोग को सरकार बढ़ावा दे रही है, जिसका बजट में भी प्रावधान किया गया है।
- कृषि में ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र के किसानों और अन्य हितधारकों के लिए ड्रोन तकनीक को सस्ती बनाने के लिए, खेतों पर इसके प्रदर्शन के लिए कृषि यंत्रीकरण पर उपमिशन के तहत आकस्मिक व्यय के साथ-साथ, फार्म मशीनरी प्रशिक्षण व परीक्षण संस्थानों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, KVK (कृषि विज्ञान केंद्रों) व राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को ड्रोन की खरीद हेतु लागत के 100% की दर से सहायता प्रदान की जाएगी।
- किसान उत्पादक संगठनों (FPO) को किसानों के खेतों पर ड्रोन के प्रदर्शन के लिए ड्रोन की खरीद के लिए 75% की दर से अनुदान प्रदान किया जाता है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

4. नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री (NOAR)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, **नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री (NOAR)** ने सफलतापूर्वक काम करना शुरू कर दिया है।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF POWER
सत्यमेव जयते

प्रमुख बिंदु

नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री (NOAR) के बारे में:

- NOAR को एक एकीकृत सिंगल विंडो इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया है, जो अल्पकालिक खुली पहुंच वाली एप्लीकेशन की इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसिंग के लिए ओपन एक्सेस प्रतिभागियों, व्यापारियों, पावर एक्सचेंजों, राष्ट्रीय / क्षेत्रीय / राज्य लोड डिस्पैच केन्द्रों सहित सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध है। इसके कारण अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन प्रणाली में अल्पकालिक खुली पहुंच की व्यवस्था को स्वचालित किया जा सकता है।
- पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (POSOCO) द्वारा संचालित नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर (NLDC) को NOAR के कार्यान्वयन और संचालन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।
- NOAR बिजली बाजारों की तेजी से सुविधा और ग्रिड में अक्षय ऊर्जा (RE) के एकीकरण को सक्षम करने में महत्वपूर्ण होगा।
- NOAR विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार की पहल का हिस्सा है और CERC ने आवश्यक नियामक ढांचे को अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन में खुली पहुंच के 5वें संशोधन नियम के संचालन के माध्यम से अधिसूचित किया है।

स्रोत: PIB

Important News: Defence

5. NATO के डिफेंडर यूरोप 2022 और स्विफ्ट रिस्पांस 2022 अभ्यास

चर्चा में क्यों?

- NATO के डिफेंडर यूरोप 2022 और स्विफ्ट रिस्पांस 2022 अभ्यास 1 मई, 2022 को 9 यूरोपीय देशों में शुरू हुए।

प्रमुख बिंदु

- पोलैंड में नियोजित संयुक्त अभ्यास में NATO और सहयोगी देशों के 7,000 से अधिक सैनिकों और उपकरणों की 3,000 इकाइयों ने भाग लिया।
- पोलिश राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार डिफेंडर यूरोप 2022 और स्विफ्ट रिस्पांस 2022 1 से 27 मई तक चलाए जा रहे हैं।
- डिफेंडर यूरोप और स्विफ्ट रिस्पांस अमेरिका और NATO सहयोगियों और भागीदारों के बीच तैयारियों और अंतःक्रियाशीलता को बढ़ाने के लिए अमेरिकी सशस्त्र बलों द्वारा आयोजित नियमित अंतरराष्ट्रीय अभ्यास हैं।

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO) के बारे में:

- यह 30 सदस्य देशों के बीच एक अंतर-सरकारी सैन्य गठबंधन है, जिसमें से 28 यूरोप में और अन्य 2 उत्तरी अमेरिका में हैं।
- **स्थापना:** 4 अप्रैल 1949
- **मुख्यालय:** ब्रुसेल्स, बेल्जियम

स्रोत: ET

Important News: Science

6. भारत पहले स्वदेशी हाइड्रोजन फ्यूल सेल वेसल का विकास और निर्माण करेगा

चर्चा में क्यों?

- बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) में भारत के पहले स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन वाले इलेक्ट्रिक वेसल को विकसित करने और बनाने का निर्णय लिया।

प्रमुख बिंदु

- जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले इलेक्ट्रिक वेसल बनाने की योजना ग्लोबल मैरीटाइम ग्रीन ट्रांजिशन के साथ तालमेल बिठा रही है।
- यह कदम हरित ऊर्जा, स्थायी लागत प्रभावी वैकल्पिक ईंधन के मोर्चे पर नवीन और नई प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर भारत के परिवर्तनकारी प्रयासों का हिस्सा है।
- लो टेम्परेचर प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन टेक्नोलॉजी (LT-PEM) पर आधारित हाइड्रोजन फ्यूल सेल वेसल, जिसे फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वेसल (FCEV) कहा जाता है, की लागत लगभग रु 17.50 करोड़ जिसमें से 75 प्रतिशत केंद्र द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।
- हाइड्रोजन फ्यूल सेल का उपयोग परिवहन, स्थिर, पोर्टेबल, सामग्री प्रबंधन और आपातकालीन बैकअप पावर अनुप्रयोगों सहित अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला में किया जा सकता है।
- हाइड्रोजन ईंधन पर चलने वाले ईंधन सेल एक कुशल, पर्यावरण के अनुकूल, शून्य उत्सर्जन, डायरेक्ट करंट (DC) पावर स्रोत हैं जो पहले से ही भारी शुल्क वाली बस, ट्रक और ट्रेन अनुप्रयोगों पर लागू होते हैं, और अब समुद्री अनुप्रयोगों के लिए विकास के अधीन हैं।

स्रोत: ET

Important News: Sports

7. केरल ने पश्चिम बंगाल को हराकर अपना 7वां संतोष ट्रॉफी 2022 का खिताब जीता

चर्चा में क्यों?

- केरल के मलप्पुरम के मंजेरी पय्यानाड स्टेडियम में केरल ने पेनल्टी शूटआउट में पश्चिम बंगाल को हराकर संतोष ट्रॉफी 2022 जीता।

प्रमुख बिंदु

- यह केरल का सातवां संतोष ट्रॉफी खिताब था।
- 2022 संतोष ट्रॉफी संतोष ट्रॉफी का 75वां संस्करण है, जो भारत में अपने क्षेत्रीय और राज्य फुटबॉल संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के लिए प्रमुख प्रतियोगिता है।

स्रोत: द हिंदू

8. हर्षदा शरद गरुड़ जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय बनी

चर्चा में क्यों?

- हर्षदा शरद गरुड़ ग्रीस के हेराक्लिओन में **IWF जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2022** में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी।

प्रमुख बिंदु

- हर्षदा शरद गरुड़ ने 45 किलोग्राम भार वर्ग में 153 किलोग्राम वजन उठाया।
- हर्षदा से पहले IWF जूनियर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले केवल दो भारतीय हैं।
- मीराबाई चानू ने 2013 में कांस्य पदक जीता था और अचिंता शुली ने 2021 में रजत पदक जीता था।

स्रोत: TOI